Tadipatri Gurukula :

वारिज लयपते वारिजनाभने ,वारिजभवपित वारिजनेत्रने
वारिजमित्र अपारप्रभावने ,वारिजजांडद कारणदोरेयॆ
बारैय्य बा बा बा बाबा (५) भकुतरप्रिया श्रीनिवासराय॥

मारजनकमुकुतारोडेय , दॆवैय्य जीय्य
बारैय्य बाबाबाबाबाबाबाबा(९) भकुतरप्रिया श्रीनिवासराय।
स्यंदनवॆरिबाप्पा रंग ,दॆवोत्तुंगा नंदा नंदन अरिमदभंग, करुणापांग सिंधु,,
शयन सुंदरांग हॆ नारसिंग
कंदविरंचियु नंदिवाहन अमरेंद्र सनक, सनं-दनादिमुनि वृंद निंदुबंदु
धिं धिं धिमिकेंदु निंदाडलु आनंददि मनेगे॥१॥
बारैय्य बाबाबाबाबाबाबाबा(९) ॥

जग्गज्जन्मादि कर्तागॊविंदा उदरदिलॊक लगुवागिधरिसीदा मुकुंद
भक्तर मनके, झगझगिसुत पोळेवानंद, निगमावळियिंद
अगणित मुनिगळु नग खग मृग शशि गगनमन्याद्यरु सोगसागि
बगेबगे पॊगळुतलि बॆग जिगिजिगिदाडलु
मुगुळुनगेय मह उरग गिरिवास ॥२॥

बारैय्य बा बा बा बा बा बा बा बा बा(९) भकुतरप्रिया श्रीनिवासराय
तडमाडब्याडवॊ हॆ नल्ल, वाकुलालिसेन्नॊडेय
गॊपालविठ्ठल दॆव पराकु अडि इडु भक्तवत्सल श्री लकुमी नल्ल,
मडुविनोळगे गज मोरे इडलाक्षण मडदिगे हॆळदे
दुडदुडने बंदु हिडिदु नक्रन बाय कडिदु बिडिसिदने

सडगरदलि रमे पोडवि ओडगूडि ॥३॥

बारैय्य बाबाबाबाबाबाबाबा(९) भकुतरप्रिया श्रीनिवासराय॥
वारिज लयपते वारिजनाभने ,वारिजभवपित वारिजनॆत्रने
वारिजमित्र अपारप्रभावने ,वारिजजांडद कारणदोरेयॆ, बारैय्य बा (५) भकुतरप्रिया
श्रीनिवासराय ,श्रीनिवासराय, हॆ श्रीनिवासराय॥